

## Newspaper Clips December 21, 2013

Hindu ND 12/21/2013 P-3

# Worried over ranking, IIT-Delhi to hold first-ever alumni meet

Staff Reporter

**NEW DELHI:** After IIT-Delhi's poor status in the world rankings, the alumni of the institution were so worried that they have decided to hold first-ever alumni meeting on December 29. Themed, "Envisioning the Future. Together," the event is expected to draw around 2,000 alumni.

"There have been concerns about the declining rank of IITs and we are worried about this. On this Alumni Day, we commit ourselves to alter this. Many top brains that have changed the contours of the world in many ways are expected to come up with a blueprint for the future and lend themselves to

this task," said alumni association secretary Ashok Kumar.

### 35,000 alumni

"In the past, alumni have contributed in a big way to their alma mater. They helped in establishing an Innovation Centre, Innovation Awards and various centres for advanced studies at IIT-Delhi in addition to numerous scholarship programs. This year, the alumni shall be sharing and contributing ideas on how to transform IIT-Delhi into one of the world's top 20 research and technology institutions," said alumni association president Pravin Purang, adding that the institute has more than

35,000 alumni spread across the globe. "These include many successful entrepreneurs, corporate czars and senior decision-makers in the government. The illustrious list includes the RBI Governor, Dr. Raghuram Rajan," he said, while explaining that more than 2,000 alumni were expected to participate in the event.

Some of the areas that are likely to be discussed include strengthening the academia-industry linkage, infrastructure and research. The alumni and their families will meet, interact with each other and explore how the association can be made more vibrant and useful for the institute and the nation.

Indian Express ND 12/21/2013 P-13

## IIT-Bombay director gets second term

ANUBHUTI VISHNOI  
NEW DELHI, DECEMBER 20

**T**HE Union Human Resource Development (HRD) Ministry Friday decided to grant a second consecutive term to IIT-Bombay Director, professor Devang Khakar, with a committee judging his performance exem-

plary, ministry sources said.

This is the first IIT top job appointment conducted through the new selection process, giving a chance to the current director to earn an automatic second term without having to go through the usual advertisement-selection committee process that has been the norm so far.

Directors of IITs in Hyderabad, Bhubaneswar, Patna, Ropar and Gandhinagar will complete their terms next year and the same appointment process will be pursued by the ministry for them as well.

A high profile committee comprising former Tata Steel MD J J Irani, former director of India's Space Commission

Rodham Narasimhan, chemical engineer M M Sharma and nuclear scientist Anil Kakodkar, also chairman of the IIT-Bombay board of governors and secretary, granted its seal of approval to Khakar. The Committee has recommended the same to the Pallam Rajule HRD ministry, which will now seek the President's ap-

proval for the appointment.

Khakar's first-term performance was assessed on parameters such as building the institution as a global brand and research hub, introduction of new academic programmes, faculty retention and development, academic, administrative and financial reforms, revenue generation, etc.

The second term depends on the candidate's performance. Only if the committee finds his performance "outstanding", will a director get an automatic second term. If a director is found to be "good" or "very good", he or she will not be immediately recommended for a second term and applications will be invited for the job.

## First-ever Alumni Day of IIT-D on December 29

STAFF REPORTER ■  
NEW DELHI

Indian Institute Technology of Delhi (IIT-D), one of country's finest institutions, is holding its first-ever Alumni Day on December 29 this year, with the theme *Envisioning the Future. Together.*

"More than 2,000 alumni are expected to participate in the Alumni Day celebrations. In the past, alumni have contributed in a big way to their alma mater. They helped in establishing an Innovation Centre, Innovation Awards and various centres for advanced studies at IIT Delhi in addition to numerous scholarship programs. This year, the alumni shall be sharing and contributing ideas on how to transform IIT Delhi into one of the world's top 20 research and technology institutions," said President of IIT Delhi Alumni Association Pravin Purang said.

Some of the areas that are likely to be discussed include strengthening the academia-industry linkage, infrastructure and research, added Purang. Ashok Kumar, a senior Indian Police Service officer and also Secretary, IIT Delhi Alumni Association said, "There have been concerns about the declining rank of IITs and we are worried about this. On this Alumni Day, we commit ourselves to alter this. Many top brains that have changed the contours of the world in many ways are expected to come up with a blueprint for the future and lend themselves to this task."

The alumni and their families shall be able to meet, interact with each other and explore how the association can be made more vibrant and useful for the institute and the nation.

## आईआईटी दिल्ली का पहला एलुमिनी स्टूडेंट मीट 29 को

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

आईआईटी दिल्ली अपना पहला एलुमिनी स्टूडेंट मीट 29 दिसंबर को आयोजित कर रहा है। इसमें पूर्व छात्र आईआईटी की गिरती रैंकिंग पर चर्चा कर उसे फिर से बेहतर रैंकिंग कैसे हासिल हो सकती है इसपर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम की थीम 'इन विजनिंग दी फ्यूचर टुगेदर' रखी गई है।

आईआईटी दिल्ली एलुमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण पुरांग ने बताया कि यहां से अभी तक करीब 35 हजार छात्रों ने शिक्षा ली है, जो पूरी दुनिया में फैले हुए हैं। इनमें कई सफल उद्यमी और कई सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर हैं।

Dainik Jagaran ND 12/21/2013 P-4

## आइआइटी दिल्ली में एल्युमिनाई डे '29 को

जासं, नई दिल्ली : दिल्ली आइआइटी के गठन के बाद पहली बार यहां एल्युमिनाई डे मनाने का निर्णय लिया गया है।

29 दिसंबर को परिसर में 'भविष्य की कल्पना-एक साथ' थीम को लेकर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में देश-विदेश से आइआइटी के पूर्व छात्र शामिल होंगे। आइआइटी दिल्ली एल्युमिनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण पुरांग के अनुसार इस मौके पर तकरीबन दो हजार पूर्व छात्रों के आने की संभावना है। एसोसिएशन के सचिव व वरिष्ठ आइपीएस अशोक कुमार के अनुसार आइआइटी से पढ़ाई कर चुके 35 हजार छात्र आज देश-विदेश के

कोने-कोने में वरिष्ठ पदों पर अपनी जिम्मेदारी को सफलता पूर्वक निभा रहे हैं। जिसमें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के

मौजूदा गवर्नर डॉ. रघुराम राजन से लेकर माइक्रोसाफ्ट कंपनी में वरिष्ठ पदों पर तैनात इंजीनियर तक शामिल हैं।

Veer Arjun ND 12/21/2013 P-6

# विश्व के टॉप-20 संस्थानों में शुमार होगा आईआईटी दिल्ली

वीर अर्जुन संवाददाता  
नई दिल्ली। देश के सबसे बेहतरीन शिक्षण संस्थानों में शुमार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (दिल्ली) आगामी 29 दिसंबर (रविवार) को अपना पहला पुराछात्र दिवस मनाने जा रहा है। इस कार्यक्रम की थीम है- इनविजनिंग द फ्यूचर, टूगेदर। (भविष्य की कल्पना- एक साथ) आईआईटी दिल्ली को अगल-अलग क्षेत्रों में कुछ सबसे बेहतरीन प्रतिभाएं देने के लिए जाना जाता है। बीते पचास सालों के दौरान यहां से शिक्षा प्राप्त पुराछात्रों ने तकनीक, विज्ञान, आर्थिकी, प्रशासन और यहां तक साहित्य के क्षेत्र में भी अपना अलग मुकाम हासिल किया। यहां से शिक्षा प्राप्त 35,000 से अधिक छात्र दुनिया भर में फैले हुए हैं, जिनमें से कई

सफल उद्यमी, बड़े उद्योगपति हैं और कईसरकार में महत्वपूर्ण पदों पर भी हैं। इस सूची में आरबीआई के नवनियुक्त गवर्नर डॉ. रघुराम राजन और सन माइकोसिस्टम फेम के विनोद खोसला भी शामिल हैं।

आईआईटी दिल्ली पुराछात्र एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण पुरांग ने बताया कि 'पुराछात्र दिवसपर आयोजित होनेवाले कार्यक्रम में 2000 से अधिक पुराछात्रोंके शामिल होनेकी उम्मीद है। बीते समय में पुराछात्रोंने संस्थान के लिए काफी योगदान किया है। कई स्कॉलरशिप प्रोग्रामशुरू करवाने में मदद करने के अलावा उन्होंने इनोवेशन सेंटर, इनोवेशन अवाइर्स और कई दूसरे सेंटर्स को स्थापित करने में काफी मदद की है। इस वर्ष पुराछात्र अपने विचार इस बात पर रखेंगे कि किस तरह आईआईटी दिल्ली को शोध और तकनीक के मामले में दुनिया के शीर्ष 20 संस्थानों में कैसे तब्दील किया जाए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा और भी कुछ क्षेत्र जैसे एकेडमिक, इंफ्रास्ट्रक्चर और शोध के बारे में भी चर्चा की जाए जाने की जरूरत है। आईपीएस अधिकारी और एसोसिएशन के सेक्रेट्री अशोक कुमार ने कहा कि हम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की रैंक घटने की वजह से चिंतित हैं। इस कार्यक्रम में हम यह भी तय करेंगे कि इसे कैसे बेहतर किया जाए। कार्यक्रम में कई ऐसे छात्रों के शामिल होने की संभावना है जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी कार्यशैली से संदर्भित क्षेत्र की रूपरेखा बदली है। वे अपने विषय के ब्लूप्रिंट के साथ साथ यहां होंगे और संस्थान को बेहतर बनाने के विचार में भी अपनी भूमिका निभाएंगे। पुराछात्र और उनके परिवार इस कार्यक्रम में एक-दूसरे

से मिल सकेंगे और इस बात पर चर्चा कर सकेंगे कि कैसे संस्थान और देश की बेहतरी के लिए कैसे इस एसोसिएशन की भूमिका को और बेहतर बनाया जाए।

## न्यूज बाइड्स

### आईआईटी दिल्ली का कैंपस होगा सोनीपत में भी

चंडीगढ़ ▶ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ( आईआईटी ) दिल्ली का एक्सटेंशन कैंपस सोनीपत स्थित राजीव गांधी एजुकेशन सिटी में स्थापित किया जाएगा। 21 दिसंबर को हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. एमएम पल्लम राजू इस कैंपस का शिलान्यास करेंगे। इसी दिन इंडियन इंस्टीट्यूट आफ इंफॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी ( आईआईआईटी ) के कैंपस का शिलान्यास जिला झज्जर के गांव किलोहड़द में किया जाएगा। आईआईटी दिल्ली का विस्तार कैंपस राजीव गांधी एजुकेशन सिटी में 50 एकड़ में बनेगा। यह आईआईटी रिसर्च कैंपस होगा। वहीं आईआईटी में सूचना एवं तकनीक संबंधित कोर्स उपलब्ध होंगे।

## हुड्डा आज करेंगे आईआईआईटी का शिलान्यास

सोनीपत, 20 दिसंबर (हप्र)

एजुकेशन हब में विकसित हो रहे सोनीपत को एक और नई सौगात मिलने जा रही है। शनिवार को राई स्थित राजीव गांधी एजुकेशन सिटी में मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा आईआईआईटी दिल्ली कैंपस की आधारशिला रखेंगे।

साथ ही किलोहडद गांव में आईआईआईटी कैंपस का शिलान्यास करेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि देश का सबसे बड़ा व प्रतिष्ठित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) दिल्ली का विस्तार कैंपस राजीव गांधी एजुकेशन सिटी में बनाया जाएगा। राजीव गांधी एजुकेशन सिटी में यह 50 एकड़ में बनेगा। इसके लिए प्लॉट नंबर 4, 4 ए व 4 बी अलॉट किए गए हैं।

## आईआईटी दिल्ली के दो विस्तार परिसर का आज शिलान्यास

चंडीगढ़. हरियाणा में आईआईटी दिल्ली के दो विस्तार परिसर सोनीपत जिले में स्थित राजीव गांधी एजुकेशन सिटी और जिला झज्जर के गांव बाढसा में स्थापित किए जाएंगे। इन परिसरों की आधारशिला शनिवार को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ.एम.पल्लम राजू और हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा रखेंगे।

इसके अलावा आईआईआईटी दिल्ली के परिसर की स्थापना भी सोनीपत जिले के किलोहडद गांव में की जाएगी। राजीव गांधी एजुकेशन सिटी में आईआईटी दिल्ली का विस्तार परिसर 50 एकड़ में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए प्लॉट संख्या 4,4ए और 4बी आवंटित किए गए हैं। यह आईआईटी दिल्ली का शोध परिसर होगा। यहां हजारों छात्र शोध के लिए आएंगे। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा सोनीपत जिले के गांव किलोहडद में आईआईआईटी परिसर की आधारशिला रखेंगे। इस परिसर में सूचना प्रौद्योगिकी के कोर्स उपलब्ध होंगे।

Hindustan Times ND 12/21/2013 P-7

# Outside JNU, students feel more vulnerable

Ishita Bhatia and Soumya Pillai

■ htreporters@hindustantimes.com

**NEW DELHI:** A year has passed since the brutal gang rape of the 23-year-old paramedic student on December 16, last year. But little has changed in Jawaharlal Nehru University (JNU) since that incident, students said.

While the JNU campus itself is fortified, the areas surrounding the campus are fraught with danger and continue to remain a haven for crime, the students said.

"Men still stare at us at the bus stop. It takes more than a year and a few protests to change the patriarchal mindsets," said Rachna (who goes by her first

## UNSAFE BEYOND BOUNDARIES

- While JNU is fortified, surrounding areas remain to be unsafe
- Women students, especially those not in hostels, claimed they felt vulnerable once they were out of campus
- Day scholars say it is difficult to find transport once outside the university gates
- Students whose courses stretch late into the day find it cumbersome to commute back home

name), a student of Ph.D in Computer Science from JNU.

The women students claimed that the moment they stepped out of the gates of the campus, they felt extremely vulnerable.

Students, especially those not residing in hostels and having evening classes, complained of

the lack of buses after certain hours to reach home.

Palak Gupta (name changed), from Ghaziabad, dropped out from her sociology course because travelling every day after classes was becoming increasingly worrisome. "Travelling for more than two

hours was getting hectic and there were days when our classes used to stretch on till seven in the evening. Finding alternative transportation is a nightmare and I finally decided to quit the course," she said.

The walls of the university seem to demarcate the stark difference in security provided to JNU's women students.

"No matter how much we boast of gender equality within the campus, female students are always on the guard when they step out of the campus. Ber Sarai book market also becomes alienated during late evenings, especially in winters, due to poor lighting," said Twinkle Siwach, 21, another sociology student.

Times of India 12/21/2013 P-19

# 'Key cancer study is breakthrough of '13'

**Kounteya Sinha** | TNN

**London:** A clinical trial of cancer immunotherapy that targets the body's immune system rather than malignant tumours directly has been voted the "breakthrough of 2013" by the editors of 'Science' journal. The new treatment pushes immune cells to combat cancer.

The annual list of groundbreaking scientific achievements, selected by the journal, also includes solar cell technologies, genome-editing techniques and vaccine design strategies. "This year there was no mistaking the immense promise of cancer immunotherapy," said Tim Appenzeller, chief news editor of 'Science'.

"So far, this strategy of harnessing the immune system to attack tumours works

only for some cancers and a few patients, so it's important not to overstate the immediate benefits. But many cancer specialists are convinced that they are seeing the birth of an important new paradigm for cancer treatment.

"Many of today's advances in cancer immunotherapy can be traced back to the late 1980s, when French researchers identified a receptor on T-cells, called CTLA-4. There's still lots of uncertainty regarding how many patients will benefit from these therapies, most of which remain experimental — and for which forms of cancer they will work best. Scientists are busy trying to identify biomarkers that might offer answers," the journal said.

*For the full report, log on to [www.timesofindia.com](http://www.timesofindia.com)*



## Pallam Raju returns to work



M. M. Pallam Raju

Union Human Resource Development Minister M. M. Pallam Raju, who stayed away from office for over two months protesting the bifurcation of Andhra Pradesh, resumed work on Friday from his chamber in Shastri Bhawan, which houses his Ministry.

Immediately after his arrival, Austrian Ambassador to India Bernhard Wrabetz called on him following which he chaired a meeting for selection of a director for IIT Bombay.

Mr. Raju had been mostly attending official work either from his official residence or from the committee room of the Ministry since October 4.

While he had started attending official functions about a month ago, Ministry officials would brief him at his residence. The Minister's absence from his chamber was considered symbolic and an attempt at appeasing his voters in his constituency.

"There was no prior information until he turned up at about 3 p.m., leaving us surprised," said a senior Ministry official.

### **To leave for US**

However, in the coming weeks he would mostly stay put at his constituency which is still witnessing unrest over the bifurcation issue.

Mr. Raju is also slated to go to the US on a private visit during the weekend.

Speaking at a function on November 6 here, Raju had said: .

"I am going through a very different way of working myself. In reality I have quit being a minister, I have submitted my resignation to the Prime Minister which he has not accepted as yet."-PTI

***The Union Minister had stayed away from office for over two months protesting the State's bifurcation***

## IIT-M lab to study traffic, aid navigation

Vivek Narayanan



Researchers will monitor traffic flow using GPS from buses. About 100 GPS devices have been fixed in MTC buses. Photo: R. Shivaji *The Hindu* Rao

The transportation engineering division of IIT-Madras is conducting research to provide real-time information on traffic to the public.

The experimental project known as advanced traveller information system (ATIS), funded by the Union ministry of communication and information technology, is being conducted by the transportation engineering division of the department of civil engineering.

The project was initiated a few years ago by faculty members, R. Sivanandan, Karthik K. Srinivasan, V. Lelitha Devi and Gitakrishnan Ramadurai.

As part of the study, about 100 GPS devices have been fixed in MTC buses. Also, 30 cameras and 15 antennas have been installed on Sardar Patel Road, IT Corridor, Velachery Road and Taramani Road.

Traffic flow will be monitored by researchers in the intelligent transportation systems (ITS) lab at IIT-M using GPS from buses. Live traffic feed from the cameras will also be used to monitor congestion.

Information about the traffic and the approximate time it will take to travel to a particular destination on the four stretches will be transferred to a website.

“As of now, we are just monitoring traffic and using the data for our study. Once the project is completed, it will be available to the public. Anybody can select source and destination points, and the shortest route and estimated travel time on different routes will be displayed,” said Prof. Sivanandan.

Work is on to install six electronic sign boards for the benefit of motorists on these roads. The data from the lab will be sent to these boards. Besides, the department is also working on a project to provide bus timings to passengers.

With the help of GPS in the buses, their positions will be transferred to the ITS lab. The research team is also planning a system for sending SMS about the bus route, bus timing and location of the bus. This can be done once passengers register their mobile number with the lab.

Keywords: [IIT-Madras](#), [advanced traveller information system](#), [ATIS](#), [Union ministry of communication and information technology](#), [real-time traffic information](#)

Printable version | Dec 21, 2013 9:53:40 AM | <http://www.thehindu.com/news/cities/chennai/iitm-lab-to-study-traffic-aid-navigation/article5483888.ece>

---

# Hiring at IIT: Not all computer science graduates placed

Hemali Chhappia, TNN | Dec 21, 2013, 04:08 AM IST

MUMBAI: A computer science degree from an Indian Institute of Technology does more than just sate the quest for an education. Each year, millions of 18-year-olds take an entrance exam, many of their eyes set on grabbing a seat in the computer science (CS) school, only to graduate four years hence feeling like a million dollars, and going on to make all that money. This year though the story has been different for some.

As the first phase of placements at all the IITs come to a close, a handful of computer science students are yet to be placed and will participate in the second edition that starts in January. Most of their other batchmates got bulge-bracket offers during the very first hours of placement. Half the CS batch at most tech schools was placed by the end of Day 1.

Across the IITs, recruitment for computer science graduates closes the earliest with companies snapping up all the talent available. Often, recruiters that want to come in the latter part of the hiring season have to be turned away as no graduates are available.

But this year, IIT-Bombay has nine CS students who are yet to be placed. IIT-Guwahati has 13 CS candidates who will be a part of placements in January.

Five MTech computer science graduates from IIT-Kanpur, and three from IIT-Madras will sit through the second round of the placement process.

"Generally, computer science students all get placed early in the placement process, but we have a few students who have not yet been placed. Some do not have the required credits or have a low CGPA," said professor Babu Viswanathan, placement advisor at IIT-Madras. Close to 50% of the batch has been placed with CS topping the charts.

The story is similar at IIT-Guwahati with 40% of the batch being placed of the 912 who have registered for placements. Close to 85% of the CS students from the graduating class have been hired, barring six BTech and seven MTech candidates.

At IIT-Delhi though, 100% computer science students have been hired. Close to 65% of the 1,100 candidates who registered for placements at IIT-Kanpur have been placed.

"There are many reasons why some IIT-Bombay students are not yet placed. Some haven't selected by any firm, some have not found anything interesting enough, others are still waiting for a university they may want to go to or they may dabble in a start-up," said a member of IIT-B's placement team.